भजन

तर्जः–कभी कभी

1 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
सदके तेरे जाऊं बलिहार उम्र भर के लिए आओ बैठो पिया
प्यारे को देखूं जी भर के
जाम नजरों से पिये जाऊँ उम्र भर के लिए
2 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
तो चूम लूं ये चरण कोमल मेरे प्राण हैं यह
चरण तली की रेखाओं को निरखती ही रहूं
नखों के नूर में खो जाऊं उम्र भर के लिए
3 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
छवि ये नूरी देखती ही रहूं प्यारी सी
बांके नैनों से जब मेरे ये नैन मिलें
दिल में तेरे उतर जाऊं उम्र भर के लिए
4 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
नूरी मुखड़े के नूर से रूह भीग जाये मेरी
इश्के बरसात में सराबोर हो के नाच उठूं
खुद से खुद को ही भूल जाऊँ उम्र भर के लिए
5 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
लाल अधरों की लालिमा का सुख खींचे मुझे
लटकता बेसर ऊपर से मदहोश करे
मधुर रस पीने खिंची जाऊँ उम्र भर के लिए
तेरी हूं तुझमें ही समाऊं उम्र भर के लिए